web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

Govt. Registered Social Justice Union

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, बुधवार 11 अगस्त 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 324

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

दुनिया में एमपॉक्स के मामले बढ़ने पर भारत में अलर्ट, हवाई अड्डों-बंदरगाहों पर चौकसी तेज

नईदिल्ली । आरएनएस

पाकिस्तान समेत दुनिया के कई देशों में एमपॉक्स वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए भारत अलर्ट हो गया है। केंद्र सरकार ने हवाई अड्डों, बंदरगाहों और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर चौकसी बढ़ा दी है।सरकार ने जिम्मेदार प्राधिकारियों को अंतरराष्ट्रीय यात्रियों पर इस रोग के संभावित लक्षणों की बारीकी से निगरानी करने को कहा है।साथ ही भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी इसके मामले सामने आने के बाद सीमाओं पर सतर्क रहने को कहा गया है।

दिल्ली में 3 सरकारी अस्पतालों को एमपॉक्स रोगियों के इलाज, प्रबंधन और बीमारी को फैलने से रोकने के लिए क्वारंटीन सेंटर के रूप में नामित किया गया है।यहां के राम मनोहर लोहिया अस्पताल, सफदरजंग अस्पताल और लेडी हार्डिंग अस्पताल में इस वायरस से जुड़े रोगियों को रखा जाएगा।केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को संभावित एमपॉक्स मामलों के लिए अपने अस्पतालों को तैयार करने और उन्हें नोडल केंद्र के रूप में घोषित करने का भी निर्देश दिया है।

एमपॉक्स एक संक्रमित बीमारी है, जो लोगों के निकट संपर्क से फैलता है। इसमें व्यक्ति को फ्लू जैसे लक्षण होते हैं और शरीर पर मवाद से भरे दानें दिखाई देते हैं।वायरस का नया वैरिएंट, क्लेड आईबी मिला है, जो यौन संचारण सहित निकट संपर्क से आसानी से फैलता है।विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधान सचिव पीके मिश्रा ने भी रविवार को भारत की तैयारियों की समीक्षा की।

केंद्र सरकार मंकीपॉक्स को लेकर अलर्ट, सीमाओं-एयरपोर्ट पर बढ़ाई चौकसी; दिल्ली में 3 अस्पताल रिजर्व

भोपाल (आरएनएस)। अफ्रीकन कंट्री में मंकीपॉक्स तेजी से फैल रहा है। इस साल की शुरुआत से अब तक डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में मंकीपॉक्स के चलते 548 लोगों की मौत हो चुकी है। अफ्रीकन देशों के अलावा मंकीपॉक्स के दूसरे देशों में भी फैलने की संभावना है। इसके चलते भारत सरकार अभी से अलर्ट हो गई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी हवाई अड्डों के साथ-साथ बांग्लादेश और पाकिस्तान की सीमाओं के पास स्थित भूमि बंदरगाहों के अधिकारियों को मंकीपॉक्स के चलते अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के प्रति सतर्क रहने को कहा है। सरकार के आदेश के बाद मंकीपॉक्स के खतरे को भांपते हुए चौकसी बढ़ा दी गई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंकीपॉक्स से पीड़ित किसी भी रोगी के आइसोलेशन, प्रबंधन और इलाज के लिए दिल्ली में रुकने की खास व्यवस्था की है। यहां डॉक्टरों की टीम उसकी निगरानी करेगी। दिल्ली में राम मनोहर लोहिया अस्पताल, सफदरजंग अस्पताल और लेडी हार्डिंग अस्पताल को नोडल केंद्रों के रूप में चिह्नित किया गया है।

सूत्रों ने बताया कि सभी राज्य सरकारों को भी अपने यहां ऐसे चिह्नित अस्पतालों की पहचान करने को कहा गया है। जहां मंकीपॉक्स से जुड़े मरीजों की मॉनिटरिंग और आइसोलेशन में रखा जा सके। मंकीपॉक्स के बढ़ते खतरे को लेकर पीएम मोदी के प्रधान सचिव पीके मिश्रा ने रविवार को एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की थी। इसमें त्वरित पहचान के लिए निगरानी बढ़ाए जाने के बीच मंकीपॉक्स को लेकर देश की तैयारियों की समीक्षा की गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अफ्रीका के कई हिस्सों में इसकी व्यापकता और प्रसार को देखते हुए एमपॉक्स को अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बताया है। साथ ही मंकीपॉक्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया हुआ है। पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान के बाद पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में भी इस वायरस का पहला केस सामने आया है। इसके बाद संक्रमित लोगों की संख्या बढक़र चार हो गई है। पीओके के रहने वाले 47 साल के शख्स में यह वायरस पाया गया है।

महत्वपूर्ण एवं खास

भारी बारिश से पाकिस्तान में तबाही, 20 लोगों की मौत, कुल आंकड़ा 215 पहुंचा

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने मंगलवार को बताया कि पिछले 24 घंटों में पाकिस्तान में मानसून से संबंधित घटनाओं में 20 लोगों की मौत हो गई है। अब तक मरने वालों की संख्या 215 हो गई है। एनडीएमए ने एक रिपोर्ट में कहा कि पिछले 24 घंटों में बारिश से होने वाली दुर्घटनाओं और बाढ़ के कारण कुल 43 लोग घायल हुए हैं। जुलाई में शुरू हुए मानसून के मौसम में घायल होने वालों की संख्या 405 हो गई है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि मृतकों में 108 बच्चे और 32 महिलाएं शामिल हैं। 86 मौतों के साथ पूर्वी पंजाब प्रांत सबसे अधिक प्रभावित रहा। इसके बाद उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा क्षेत्र और दक्षिणी सिंध प्रांत में 65 और 37 मौतें हुई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में 18 लोग मारे गए। उधर पाकिस्तान के नियंत्रण वाले कश्मीर में पांच लोग मारे गए और उत्तरी गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में मानसून से संबंधित घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई। एनडीएमए ने यह भी कहा कि देश में मानसून के मौसम में 448 पशुधन की मौत हो गई, जबकि 2,575 घर और 31 पुल क्षतिग्रस्त हो गए। रिपोर्ट के अनुसार, देश में काबुल, सिंधु और झेलम नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों में अगले 48 घंटों में मध्यम तीव्रता के साथ भारी बारिश हो सकती है। सरकार ने चिकित्सा सेवा और राहत के लिए कुल 86 शिविर स्थापित किए हैं। इन शिविरों में अब तक 4,102 लोगों को सहायता मिल चुकी है। पाकिस्तान में मानसून का मौसम सितंबर तक चलता है।

रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध के बीच यूक्रेन जाएंगे पीएम मोदी, जेलेंस्की ने दिया न्योता

कीव । रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध अभी भी जारी है। दोनों ही देश एक दूसरे पर हमले कर रहे हैं। इसी बीच भारतीय विदेश मंत्रालय ने बताया कि पीएम मोदी जल्द ही यूक्रेन यात्रा पर जा सकते हैं। रूस यात्रा के लगभग दो महीने बाद ही पीएम मोदी का यूक्रेन दौरा बेहद ही खास माना जा रहा है। पीएम मोदी पोलैंड की भी यात्रा करेंगे। पीएम मोदी 21 से 23 अगस्त के बीच दोनों देशों का दौरा कर सकते हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि पीएम मोदी यूक्रेन के अलावा पोलैंड का भी दौरा करेंगे। बता दें कि पोलैंड नाटो का सक्रिय सदस्य हैं। रूस के साथ संघर्ष के बाद पीएम मोदी की यूक्रेन की यह पहली यात्रा होगी। ये यात्रा इसलिए भी खास मानी जा रही है क्योंकि पीएम मोदी 45 साल बाद पोलैंड और 30 साल बाद यूक्रेन जाने वाले पहले प्रधानमंत्री बनेंगे। कीव में प्रधानमंत्री मोदी और प्रेसिडेंट जलेंस्की की मुलाकात होगी। पीएम मोदी पोलैंड के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति, इसके अलावा यूक्रेन के राष्ट्रपति से मुलाकात करेंगे। पीएम मोदी ने इससे पहले रूस का दौरा किया था। जहां उन्हें रूस के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया गया था। खुद पुतिन उनको लेने पहुंचे थे। मोदी की रूस यात्रा का यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने भी आलोचना की थी।

कोलकाता कांड को लेकर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश, सोशल मीडिया से हटानी होगी पीड़िता की तस्वीर

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोलकाता रेप कांड को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सोशल मीडिया से पीड़िता की सभी तस्वीरों को हटाने का आदेश दिया है। याचिकाकर्ता ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक रेप पीड़िता की पहचान को सार्वजनिक नहीं किया जा सकता है। उसके बावजूद पीड़िता की तस्वीर सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर है। सुप्रीम कोर्ट ने कोलकाता कांड मामले में खुद संज्ञान लेते हुए आज सुनवाई की। अदालत ने घटना से जुड़े कई पहलुओं पर सवाल खड़े किए। सुप्रीम कोर्ट ने घटना की जांच कर रही सीबीआई से 22 अगस्त तक स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। इसके साथ-साथ अस्पतालों में डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए एक नेशनल टास्क फोर्स भी गठित करने का आदेश दिया। आज की सुनवाई में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि ऐसा लगता है कि अपराध का पता सुबह-सुबह ही चल गया था, लेकिन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य ने इसे आत्महत्या बताने की कोशिश की। इसके साथ-साथ अदालत ने कहा कि जब आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के प्राचार्य का आचरण जांच के घेरे में है तो उन्हें कैसे तुरंत किसी दूसरे कॉलेज में नियुक्त कर दिया गया।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने त्योहारों पर लाउडस्पीकर-लेजर बीम के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने से किया इंकार

मुंबई । आरएनएस

महाराष्ट्र की बॉम्बे हाई कोर्ट ने मंगलवार को एक जनहित याचिका खारिज कर दी, जिसमें विभिन्न धार्मिक जुलूसों पर बजने वाले लाउडस्पीकर और लेजर बीम के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति अमित बोरकर की खंडपीठ ने याचिका को खारिज करते हुए कहा कि अन्य उपलब्ध उपायों के मद्देनजर जनहित याचिका खारिज की जाती है।पीठ ने 16 अगस्त को मामले की सुनवाई की थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, याचिकाकर्ता ने कोर्ट में तर्क दिया था कि त्योहारों में इस्तेमाल की जाने वाली खतरनाक लेजर किरणों के कारण कई लोगों की आंखों की रोशनी चली गई।साथ ही उन्होंने बताया कि तेज आवाज वाले डीजे सिस्टम और इसी तरह की गतिविधियों के कारण होने वाले ध्वनि प्रदूषण के कारण कई लोगों की सुनने भी प्रभावित हुई है।मामला अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत और उनके संगठन की ओर से दायर किया गया था।

धार्मिक जुलूस और विभिन्न त्योहारों के अलावा मस्जिद में नमाज के दौरान होने वाली अजान को लेकर लगभग हर राज्य में विवाद सामने आते रहे हैं।महाराष्ट्र में 2022 में इसको लेकर काफी विवाद हुआ था, जिसके बाद राज्य सरकार ने धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर लगाने के लिए अनुमति लेने को कहा था।उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी इसको लेकर विवाद सामने आ चुका है। कई राज्यों में इसके लिए दिशानिर्देश जारी किए गए थे।

दर्दनाक हादसा : ट्रक ने टैक्सी में मारी टक्कर, 5 की मौके पर मौत; 6 से ज्यादा घायल

भोपाल । आरएनएस

मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में भीषण सडक़ हादसा हो गया। कदारी के पास NH-39 हाइवे पर ट्रक ने टैक्सी को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। 6 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों में बूढ़े और बच्चे भी शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार, हादसे का शिकार हुई टैक्सी छतरपुर रेलवे स्टेशन से बागेश्वर धाम जा रही थी। मौके पर पहुंची पुलिस ट्रक से जुड़ी हुई और डिटेल खंगालने में जुटी हुई है। घटना स्थल से ये भी जानकारी सामने आई है कि हादसे का शिकार हुई टैक्सी में अपनी क्षमता से 4 गुना अधिक सवारी भरी हुई थी। ये हादसा छतरपुर जिले में कदारी के पास एनएच 39 पर सुबह 5 बजे के आसपास हुआ है।

मौके पर पहुंचे लोगों ने 108 की मदद से घायलों को जिला अस्पताल छतरपुर भेजा है। पुलिस ने मृतकों के शव को कब्जे में लिया है। मृतकों की पहचान की जा रही है। वहां से गुजर रहे लोगों ने बताया कि हादसा काफी विभत्स था। ट्रक की टक्कर से टैक्सी के परखच्चे उड़ गए।

राजकोट में सड़क हादसा, तीन लोगों की मौत

राजकोट (आरएनएस)। गुजरात के राजकोट में तडक़े एक सडक़ हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। जिले के गोंडल इलाके में एक हाईवे पर बोलेरो और स्विफ्ट कारों के बीच टक्कर हो गई जिसमें दो लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया जबकि एक शख्स की अस्पताल जाते समय मौत हो गई। बताया जा रहा है कि दुर्घटना के समय दोनों कारें आमने सामने से आ रही थीं। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों कारों के टकराने की आवाज लोगों ने दूर तक सुनी। टक्कर के बाद दोनों ही कारें इतनी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। हालात ऐसे थे कि हादसे के बाद पहुंचे स्थानीय निवासियों को घायलों को निकालने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। घटना की जानकारी होते ही आसपास के लोगों ने मौके पर पहुंच कर दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए लोगों को बाहर निकाला। जिसके बाद पुलिस और एंबुलेंस को सूचित किया गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक दोनों कारों की आमने सामने की टक्कर इतनी तेज हुई कि दोनों कारों का अगला भाग पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

महाराष्ट्र में बच्चियों के यौन शोषण मामले में भड़की हिंसा, स्कूल में तोड़फोड़; रेलवे स्टेशन पर प्रदर्शनकारियों का कब्जा

बदलापुर । आरएनएस

महाराष्ट्र के बदलापुर इलाके में एक स्कूल में छात्राओं के साथ यौन शोषण के मामले ने बड़ा बवाल खड़ा कर दिया है। गुस्साए लोग सडक़ों पर उतर आए हैं और भारी विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। बदलापुर रेलवे स्टेशन पर भी प्रदर्शनकारियों ने कब्जा कर लिया है, जिसके कारण कई ट्रेनों को डायवर्ट करना पड़ा है।

प्रदर्शनकारी बदलापुर स्थित स्कूल के बाहर हजारों की संख्या में लोग इक_ा हो गए हैं और पुलिस को उन्हें नियंत्रित करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। पुलिस ने स्कूल के बाहर आंसू गैस के गोले भी छोड़े और कुछ प्रदर्शनकारी स्कूल के अंदर तोडफ़ोड़ करते हुए नजर आए हैं। स्कूल की खिड़कियां, डेस्क, बेंच, और कुर्सियां तोड़ दी गई हैं।

यह विवाद तब शुरू हुआ जब मुंबई के ठाणे जिले के बदलापुर में एक स्कूल के लेडीज टॉयलेट में दो 4 साल की मासूम लड़कियों के साथ यौन शोषण की घटना सामने आई। इस घटना के बाद इलाके में आक्रोश फैल गया और सुबह से ही प्रदर्शन जारी है।

पुलिस ने मामले में शामिल आरोपी क्लीन अक्षय शिंदे (23) को पॉक्सो और बीएनएस की अन्य धाराओं के तहत गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। फिलहाल, जिस स्कूल में यह घटना हुई है, वहां बड़ी संख्या में अभिभावक भी इकट्ठा हैं और प्रदर्शन कर रहे हैं।

250 से ज्यादा लड़कियों से रेप, न्यूड तस्वीरें खींचकर किया ब्लैकमेल... दोषियों को उम्रकैद

अजमेर (आरएनएस)। राजस्थान के 1992 के बहुचर्चित अजमेर सेक्स और ब्लैकमेल कांड में आज 6 दोषियों को उम्रकैद की सजा और 30 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। ये मामला मेयो कॉलेज की 100 से ज्यादा छात्राओं से जुड़ा है, जिनके साथ ब्लैकमेलिंग हुई थी। पीड़ित छात्राओं की कुल संख्या 250 के आसपास है।32 साल बाद इस मामले में फैसले के समय सभी दोषी कोर्ट में मौजूद थे। दोषियों में।नफीस चिश्ती, नसीम उर्फ टार्जन, सलीम चिश्ती, इकबाल भाटी, सोहेल गनी और सैयद जमीन हुसैन शामिल हैं। अजमेर के एक गैंग ने 1992 में स्कूल-कॉलेज में पढऩे वाली करीब 250 लड़कियों की नग्न तस्वीरें हासिल की। फिर उन्हें लीक करने की धमकी देकर 100 से अधिक छात्राओं के साथ गैंगरेप किया। गैंग के लोग स्कूल में पढऩे वाली छात्राओं को फार्महाउस पर बुलाते थे। उनके साथ गैंगरेप करते थे। फिर उनकी न्यूड तस्वीरें खींच लेते थे।इसके बाद आरोपी लड़कियों को ब्लैकमेल कर दूसरी लड़कियों को अपने साथ लाने का दबाव बनाते थे।कई स्कूल तो अजमेर के जाने-माने प्राइवेट स्कूल थे। इन बच्चियों की उम्र उस समय 11 से 20 साल की हुआ करती थी।

जमशेदपुर से उड़ान भरने के बाद लापता प्रशिक्षण विमान का सात घंटे बाद भी सुराग नहीं

जमशेदपुर । आरएनएस

जमशेदपुर के सोनारी एयरपोर्ट से मंगलवार सुबह उड़ान भरने के बाद लापता अलकेमिस्ट एविएशन के प्रशिक्षण विमान के बारे में सात घंटे बाद भी पता नहीं चल सका है। विमान के क्रैश होने की आशंका जताई जा रही है। विमान में पायलट के अलावा एक ट्रेनी सवार था। एयरपोर्ट प्रबंधन ने पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला जिला प्रशासन की मदद से सर्च ऑपरेशन शुरू किया है।

हवाई अड्डे के सूत्रों ने बताया कि यह दो सीटों वाला सेसना 152 विमान था जिसने सुबह 10.30 बजे सोनारी हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी। इसके 50 मिनट बाद 11.20 बजे विमान का संपर्क टूट गया।

उन्होंने बताया कि विमान का अंतिम लोकेशन जमशेदपुर से उत्तर-पश्चिम में चांडिल-दलमा की तरफ मिला था।

हादसे की आशंका को देखते हुए पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां जिला प्रशासन को सूचना दी गई है और तलाशी अभियान जोर-शोर से जारी है।

इस छोटे विमान में इतना ईंधन नहीं था कि यह इतने लंबे समय तक उड़ान भर सके। ऐसे में विमान के क्रैश होने की आशंका काफी प्रबल है।

कोलकाता रेप-हत्या : सुप्रीम कोर्ट ने गठित की टास्क फोर्स, डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए करेगी सिफारिश

नईदिल्ली । आरएनएस

सुप्रीम कोर्ट ने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में ट्रेनी महिला डॉक्टर की रेप के बाद हत्या किए जाने के मामले में को सुनवाई हो रही है।इसमें मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की तीन सदस्यीय न्यायिक पीठ ने घटना पर खेद जताते देशभर में डॉक्टरों की सुरक्षा पर चिंताई।इस दौरान कोर्ट ने डॉक्टरों के लिए सुरक्षा सुरक्षा की सिफारिशों के लिए राष्ट्रीय टास्क फोर्स गठित करने का आदेश दिया।

मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा, यह अपराध अस्पताल में रेप और हत्या से संबंधित मामला नहीं है, बल्कि यह पूरे भारत में डॉक्टरों की सुरक्षा के प्रणालीगत मुद्दे से संबंधित है। इससे महिला डॉक्टर काम पर जाने से डर रही है।उन्होंने कहा, हम एक राष्ट्रीय टास्क फोर्स का गठन कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि वे वरिष्ठ और कनिष्ठ डॉक्टरों के लिए सुरक्षा उपायों के लिए देश भर में अपनाए जाने वाले तौर-तरीकों की सिफारिशें दें।

सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई टीम से 22 अगस्त तक स्टेटस रिपोर्ट प्रस्तुत करने को भी कहा है। कोर्ट ने कहा कि रिपोर्ट में शुरुआत से लेकर अब तक हुई कार्रवाई की पूरी जानकारी होनी चाहिए।इसी तरह कोर्ट ने कहा, हम इस तथ्य से बहुत चिंतित हैं कि पीडिता का नाम पूरे मीडिया में है। उसकी तस्वीरें और वीडियो पूरे मीडिया में वायरल हो रही है और यह बेहद चिंताजनक विषय है। यह कानून का उललंघन है।

कोर्ट ने कहा, ऐसा प्रतीत होता है कि अपराध का पता सुबह के समय चला। इसके बाद प्रिंसिपल ने इसे आत्महत्या दिखाने की कोशिश की और माता-पिता को शव तक देखने की अनुमति नहीं दी।कोर्ट ने पूछा, प्रधानाचार्य क्या कर रहे थे? एफआईआर दर्ज नहीं कराई गई, शव माता-पिता को देर से सौंपा गया, कोलकाता पुलिस क्या कर रही है? यह एक गंभीर अपराध हुआ है। अपराध अस्पताल में हुआ है और वहां जीर्णोद्धार शुरू कर दिया गया।

इस मामले में गत शनिवार को फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन ऑफ मेडिकल कंसल्टेंट्स ऑफ इंडिया और दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर हालातों को देखते हुए स्वत: संज्ञान लेने की अपील की थी।याचिका में कहा गया था कि यह देश की विभत्स घटनाओं में से एक है और इसको लेकर पूरे देश में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।इस पर कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लेकर 20 अगस्त की सुनवाई तय की थी।

9 अगस्त को आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक महिला डॉक्टर का शव मिला था।पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में डॉक्टर की हत्या से पहले रेप की पुष्टि हुई थी। उसकी आंख, मुंह, पैर, गर्दन, हाथ, कमर और निजी अंगों पर काफी चोटें थीं।मामले में पुलिस ने अस्पताल में आने-जाने वाले एक नागरिक स्वयंसेवक संजय रॉय को गिरफ्तार किया है और उससे गहन पूछताछ जारी है।फिलहाल केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की टीम मामले की जांच कर रही है।

इस विभत्स घटना का देशभर में विरोध हो रहा है। देशभर के डॉक्टरों ने भी हड़ताल कर पीड़िता को न्याय दिलाने और उसके परिजनों को मुआवजा दिलाने सहित डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है।इसके बाद स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी डॉक्टरों की मांग मानते हुए मांगो के लिए समिति गठित करने का वादा किया है।इसी तरह विपक्षी दल सरकार पर हमलावर हुए बैठे हैं और मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।